भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2111

जिसका उत्तर सोमवार 08 मार्च, 2021

17 फाल्गुन, 1942 (शक) को दिया जाना है

बीपीसीएल और एचपीसीएल में हिस्सेदारी की बिक्री

2111. **श्री राहुल कस्वां:**

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का भारत पेट्रोलियम कॉपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में अपनी हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है; और

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान एचपीसीएल और बीपीसीएल द्वारा किए गए निवेश और अर्जित किए गए लाभ का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) सरकार ने निम्नलिखित का 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया है:-

(i) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. में किसी अनुकूल खरीदार को प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ अपनी समस्त 52.98% शेयरधारिता का रणनीतिक विनिवेश और

(ii) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लि. (एनआरएल) में बीपीसीएल की 61.65% शेयरधारिता का तेल एवं गैस क्षेत्र में कार्यरत किसी सीपीएसई को प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ रणनीतिक विनिवेश।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. में भारत सरकार की कोई हिस्सेदारी नहीं है।

(ख) सीपीएसईस का रणनीतिक विनिवेश इस मूल आर्थिक सिद्धांत द्वारा मार्गदर्शित है कि सरकार को उन क्षेत्रों में नहीं बने रहना चाहिए जिनमें प्रतिस्पर्धात्मक बाजार बहुत पहले से आए हुए हैं और ऐसी कंपनियों की आर्थिक संभावना विभिन्न घटकों जैसे कि पूंजी लगाने, प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा दक्ष प्रबंधन परिपाटियों के कारण रणनीतिक निवेशक के हाथों में संभवतः बेहतर होगी; और इस प्रकार वे देश के समग्र आर्थिक विकास में सहायक होंगी।

नीति अयोग को रणनीतिक विनिवेश हेतु (i) राष्ट्रीय सुरक्षा; (ii) अप्रत्यक्ष तौर पर शासकीय कार्य और (iii) बाजार अभाव तथा सार्वजनिक उद्देश्य के मापदंडों के आधार पर उन सीपीएसईस की पहचान करने और रणनीतिक विनिवेश के लिए अनुशंसित करने हेतु अधिदेशित किया गया था जो 'प्राथमिकता वाले क्षेत्रों' में नहीं हैं।

बीपीसीएल के मामले में नीति आयोग द्वारा की गई अनुशंसाए इस तर्क पर आधारित थी कि तेल विपणन कंपनियां राष्ट्र नियंत्रित तंत्र में लाभप्रद कंपनियां हैं और भविष्य में उनके पास एक महत्वपूर्ण निवेश चक्र है। यदि निजी क्षेत्र के भागीदार की भौतिक मौजूदगी के साथ तंत्र और प्रतिस्पर्धी बन जाए जो उद्योग में बेहतर परिपाटियां स्थापित करने के साथ-साथ अपने हिस्से को बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेगा तो बीपीसीएल के निजीकरण से विपणन स्थल पर दक्षता में काफी हद तक सुधार होगा और उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

(ग) बीपीसीएल और एचपीसीएल की अपनी अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध लेखा परिक्षित वित्तीय लेखों के अनुसार, दोनों कंपनियों द्वारा किए गए निवेश और अर्जित लाभ से संबंधित जानकारी **अनुबंध** में दी गई है।

*****

अनुबंध

08 मार्च, 2021 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2111 का उत्तर

पिछले 5 वर्षों के दौरान एचपीसीएल और बीपीसीएल द्वारा किए गए निवेश और अर्जित लाभ का ब्यौरा

वित्तीय वर्ष	बीपीसीएल (समेकित)		एचपीसीएल (समेकित)	
	वर्ष के दौरान करोपरांत लाभ (करोड़ रु. में)	किया गया निवेश (करोड़ रु. में)	वर्ष के दौरान करोपरांत लाभ (करोड़ रु. में)	किया गया निवेश (करोड़ रु. में)
2019-20	3665.78	27061.38	2638.73	14395.61
2018-19	8527.85	24907.15	6690.63	14297.45
2017-18	9791.91	23724.83	7218.28	12882
2016-17	9506.97	21327.41	8235.82	11773.43
2015-16	8463.98	7736.3	4846.91	5570.43